Vermicomposting Unit
GPS Map Camera
Jabalpur, Madhya Pradesh, India
5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil Lines, Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India
Lat 23.162515°
Long 79.970136°
30/05/23 03:24 PM GMT +05:30
Google

पढ़ाई के दौरान खाद बनाना सीखा और शुरू कर दिया व्यापार

शिक्षक से लेकर किसानों तक बने ग्राहक, घर के गार्डन में उपयोग कर रहे आर्गेनिक खाद

कैसे बनाई खाद

पौधों के लिए क्यों जरूरी

हर गांव में कम से कम

GPS Map
Jabalpur, Madhya Pradesh
5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony,
Lines, Jabalpur, Madhya Pradesh 482
Lat 23.162657°
Long 79.9702°
19/01/23 01:11 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Jabalpur, Madhya Pradesh, India
5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil Lines, Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India
Lat 23.162362°
Long 79.970013°
19/01/23 01:27 PM GMT +05:30
14
Google

GPS Map Camera
Jabalpur, Madhya Pradesh, India
5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil Lines, Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India
Lat 23.162643°
Long 79.969708°
19/01/23 01:27 PM GMT +05:30
15
Google

GPS Map Camera
Jabalpur, Madhya Pradesh, India
5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil Lines, Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India
Lat 23.162728°
Long 79.969786°
19/01/23 01:27 PM GMT +05:30
17
Google

GPS Map Camera
Jabalpur, Madhya Pradesh, India
5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil Lines,
Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India
Lat 23.162568°
Long 79.970261°
19/01/23 01:29 PM GMT +05:30
28
Google

GPS Map Camera
Jabalpur, Madhya Pradesh, India
5X79+8HX, Govindh Bhavan Colony, South Civil Lines, Jabalpur, Madhya Pradesh 482001, India
Lat 23.162728°
Long 79.969786°
19/01/23 01:27 PM GMT +05:30
17
Google

OPPO F17 Pro · ©harsh

RESEARCH
PUBLICATION
वर्मी कंपोस्ट

वोकेशनल कोर्स

स्टूडेंट्स ने तैयार किया वर्मी कम्पोस्ट

जबलपुर @ पत्रिका. छात्रों की तीन माह की मेहनत रंग लाई। उन्होंने वोकेशनल कोर्स के अंतर्गत वर्मी कम्पोस्ट तैयार किया। शासकीय साइंस कॉलेज के प्राणीशास्त्र और तकनीकी विभाग द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रम वर्मी कंपोस्ट का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत स्टूडेंट्स को वर्मी कम्पोस्ट बनाने का तकनीकी ज्ञान दिया गया। विद्यार्थियों ने वर्मी कम्पोस्ट बनाने के लिए पार्क में दो पिट में गोबर, केंचुआ, पत्तियों को तीन माह तक रखा। विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. शंपा जैन, डॉ. वर्षा अगलावे, डॉ. अंकिता बोहरे, डॉ. प्रीति खरे, डॉ. मनीषा सक्सेना ने सहयोग किया।

पढ़ाई के दौरान खाद बनाना सीखा और शुरू कर दिया व्यापार

प्राध्यापक से लेकर विद्यार्थी तक बने ग्राहक, घर के गार्डन में उपयोग कर रहे आर्गेनिक खाद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत व्यावसायिक पाठ्यक्रम का लाभ विद्यार्थियों को मिलने लगा है। पढ़ाई के साथ ही विद्यार्थी कमाई के साधन के रूप में भी इसे देख रहे हैं। शासकीय साइंस कालेज के प्राणी शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने वर्मी कंपोस्ट खाद बनाना सीखकर उसे बाजार में बेचने लायक बना दिया। अब इस खाद को विभाग विक्रय कर रहा है। इसकी आमदनी से विभाग इस काम को और आगे बढ़ाएगा। इधर, मेहनत का प्रतिफल मिलने से विद्यार्थी भी उत्साहित हैं। कालेज के प्राध्यापकों से लेकर विद्यार्थी जो गार्डन में अब तक रासायनिक खाद का इस्तेमाल करते थे वे इस वर्मी कंपोस्ट को खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं।

प्राणी शास्त्र विभाग की डा. सुनीता शर्मा ने बताया कि करीब 250 किलो वर्मी कंपोस्ट कालेज में विद्यार्थियों ने तैयार की है जिसे बेचा जा रहा है। एक, दो और पांच किलो के पैकेट तैयार कर इसका विक्रय किया जा रहा है। एक किलो 40 रुपये में और पांच किलो खाद 200 रुपये में बेची जा रही है। विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने में विभागाध्यक्ष डा. सुनीता शर्मा के साथ विभाग की प्राध्यापक डा. शंपा जैन, डा. वर्षा अगलावे, डा. अंकिता बोहरे, डा. प्रीती खरे एवं डा. मनीषा सक्सेना तथा कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा है।

वर्मी कंपोस्ट के साथ प्राचार्य डा. तनुजा चौधरी, डा. सुनीता शर्मा एवं डा. आनंद श्रीवास्तव। • नईदुनिया

वर्मी कंपोस्ट बनाते साइंस कालेज के विद्यार्थी। • नईदुनिया

डा. सुनीता शर्मा ने बताया कि प्राणीशास्त्र एवं तकनीकी विभाग द्वारा व्यावसायिक पाठ्यक्रम वर्मी कंपोस्ट संचालित किया जा रहा है। पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को वर्मी कंपोस्ट बनाने का तकनीकी का ज्ञान देने के उद्देश्य से कालेज के वानस्पतिक उद्यान में वर्मी कंपोस्ट तैयार की गई। उन्होंने बताया कि विज्ञान आश्रम के संचालक डा. बीके राव के मार्गदर्शन में वर्मी कंपोस्ट यूनिट स्थापित की गई। प्राचार्य डा. तनुजा चौधरी ने विभाग से वर्मी कंपोस्ट के विक्रय को बढ़ावा देने के लिए सबसे पहले खुद यह खाद खरीदी।

पौधों के लिए क्यों जरूरी

प्राणी शास्त्र विभाग की डा. शंपा जैन ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट में मिट्टी को उपजाऊ बनाने वाले सूक्ष्म जीवों की बहुत अधिक मात्रा होती है। इससे मिट्टी उपजाऊ बनती है साथ ही इसमें नाइट्रोजन, फास्फेट एवं माइक्रोन्यूट्रेंट की मात्रा भी अधिक पाई जाती है जो पौधों के पोषण के लिए आवश्यक है। वर्मी कंपोस्ट डालने से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है उसमें पानी को रोकने की क्षमता भी बढ़ती है। इसके विपरीत इसके विपरीत रासायनिक खाद डालने से मिट्टी के अंदर पाए जाने वाले अच्छे जीवाणु समाप्त हो जाते हैं एवं मिट्टी की गुणवत्ता भी कमजोर होती है।

वर्मी कंपोस्ट तैयार करते विद्यार्थी। • नईदुनिया

कैसे बनाई खाद

डा. सुनीता शर्मा के मुताबिक वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए सर्वप्रथम पिट बनाने की जरूरत होती है। जिसकी लंबाई 16, चौड़ाई चार व गहराई दो फीट होती है। इसकी दीवारें पक्की होती हैं एवं नीचे कच्ची जमीन होती है। ऊपर धूप एवं पानी से बचने के लिए एक शेड बनाया जाता है। गड्ढे में पहले सूखी पत्तियों को बिछाया जाता है फिर गोबर की परत डाली जाती है। पुनः पत्तियों या सब्जियों के छिलके, आर्गेनिक वेस्ट को डाला जाता है। इसके बाद पुनः गोबर की परत बिछाई जाती है एवं उसके ऊपर केंचुए छोड़े जाते हैं। इसके ऊपर घास का पुआल बिछाया जाता है तथा सबसे ऊपर बोरी को डाल कर ढंक दिया जाता है। इस दौरान नमी एवं तापमान का ध्यान रखना आवश्यक होता है। इस पद्धति से तीन माह में गुणवत्तायुक्त खाद का निर्माण हो जाता है। वर्मी कंपोस्ट को तैयार करने में व्यावसायिक पाठ्यक्रम वर्मी कंपोस्ट के विद्यार्थियों ने कार्य किया। उन्होंने कालेज के परिसर से सूखी पत्तियां एकत्रित की एवं गड्ढों में भरी साथ ही गोबर डालने का काम कैसे डालने का काम सभी कार्य विद्यार्थियों के द्वारा संपन्न करवाया गया ताकि विद्यार्थी इसे बेहतर तरीके से समझ सकें।